चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21.5.25	4	5-8

मधुमक्खियां भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी : काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • पीआरओ

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करनें वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं, और इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाला व्यवसाय है तथा ग्रामीण विकास के साथ-साथ वानिकी, बागवानी, कृषि, पर्यावरण संरक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। मधुमक्खियां फसलों एवं सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा में भी अह्म भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को लेकर अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया।

हकृवि में अनुसंधान के निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। पर्यावरण संतुलन तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने में भी मधुमक्खियों का महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन का व्यवसाय स्वयं रोजगार का बेहतर विकल्प है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.5.25	3	3-5

कार्यक्रम • हकृवि में मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

मधुमक्खियां हमारे जीवन, पर्यावरण और भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी : प्रो. बीआर काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सोमवार को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कीट विज्ञान विभाग ने किया। विषय था- 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं'। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हर साल 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं हैं। ये जीवन, पर्यावरण और भोजन श्रृंखला की अहम कड़ी हैं। दुनिया की करीब 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं। यह काम मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अलावा मोम, प्रोपोलिस, पराग, रॉयल जैली जैसे उत्पाद मिलते हैं। इससे किसान को अतिरिक्त आमदनी होती है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि मधुमक्खियां दिनभर मेहनत करती हैं। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। पर्यावरण संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा में भी इनका योगदान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन स्वरोजगार का अच्छा विकल्प है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21-5-25	3	6-8

मधुमक्खियां भोजन शृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी

एचएयू में विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि मधुमक्खियां शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण और भोजन शृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है।

उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं। इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। मधुमक्खियां फसलों एवं सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को लेकर अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा वर्तमान समय में मधुमक्खियां अनेक खतरों का सामना कर रही हैं जिसमें कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आवास की हानि तथा बीमारियां शामिल हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव, डॉ. भूपेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.5.25	5	1-3

मधुमक्खियां हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 20 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं, और इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाला व्यवसाय है तथा ग्रामीण विकास के साथ-साथ वानिकी, बागवानी, कृषि, पर्यावरण संरक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। मधुमक्खियां फसलों एवं सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को लेकर अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुमक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। पर्यावरण संतुलन तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने में भी मधुमक्खियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	21.5.25	12	1-3

हकृवि में मना विश्व मधुमक्खी दिवस

■ मधुमक्खी पालन ग्रामीण कम लागत वाला व्यवसाय : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं, और इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्कूली विद्यार्थियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21-5-25	4	7-8

हकृवि में मनाया गया विश्व मधुमक्खी दिवस

हिसार, 20 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	20.05.2025	--	--

मधुमक्खियां हमारे जीवन, पर्यावरण और भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं, और इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। मधुमक्खी पालन ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाला व्यवसाय है तथा ग्रामीण विकास के साथ-साथ वानिकी, बागवानी, कृषि, पर्यावरण संरक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। मधुमक्खियां फसलों एवं सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को लेकर अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुमक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। पर्यावरण संतुलन तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने में भी मधुमक्खियों का महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन का व्यवसाय स्वयं रोजगार का बेहतर विकल्प है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में मधुमक्खियां अनेक खतरों का सामना कर रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	21.05.2025	--	--

हकृवि में मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज संबोधित करते हुए।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा 'प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. सुनीता यादव ने सभी का धन्यवाद करते हुए मधुमक्खी पालन की उपयोगिता एवं मधुमक्खी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन डा.भूपेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	20.05.2025	--	--

मधुमक्खी पालन ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाला व्यवसाय है : प्रो. काम्बोज

हकृवि में मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 20 मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में विश्व मधुमक्खी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कीट विज्ञान विभाग द्वारा प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करती हैं विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले जीवों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद देने वाली कीट नहीं है बल्कि हमारे जीवन, पर्यावरण तथा भोजन श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। विश्व की लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें परागण पर निर्भर हैं, और इस कार्य को मुख्य रूप से मधुमक्खियां करती हैं। मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण समुदाय के लिए कम लागत वाला व्यवसाय है तथा ग्रामीण विकास के साथ-साथ वानिकी, बागवानी, कृषि, पर्यावरण संरक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि मधुमक्खियों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। मधुमक्खियां फसलों एवं सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को लेकर अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। कुलपति ने कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को शहद वितरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मधुक्खियां पूरा दिन व्यस्त रहती है। इनके जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। पर्यावरण संतुलन तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने में भी मधुमक्खियों का महत्वपूर्ण योगदान है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने सभी का धन्यवाद करते हुए मधुमक्खी पालन की उपयोगिता एवं मधुमक्खी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजेश गेरा आदि मौजूद रहे।